IAS GS World PCS

Committed To Excellence

DAILY CURRENT AFFAIRS ANALYSIS

(Pre+Mains) with MCQ

30 MAY 2026

FOR PDF DOWNLOAD
GS WORLD LEARNING APP

Today Important

Current Affairs Analysis

30th May 2026

1. Abraham Accords: पश्चिम एशिया में शांति की नई इबारत — ट्रम्प का बड़ा दांव

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सऊदी अरब, पाकिस्तान, तुर्की समेत कई मुस्लिम देशों को एक साथ Abraham Accords पर हस्ताक्षर करने का आह्वान किया

30 मई, 2026 | अंतर्राष्ट्रीय संबंध

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पश्चिम एशिया की भू-राजनीति को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, मिस्र, तुर्की और जॉर्डन सहित कई मुस्लिम-बहुल देशों को एक साथ **Abraham Accords** पर हस्ताक्षर करने का उच्च-दांव वाला निर्देश जारी किया है। यह कदम इस क्षेत्र में दशकों की पारंपरिक शत्रुता को एक खुले अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के ढांचे में बदलने का प्रयास है।

Abraham Accords क्या हैं?

Abraham Accords अमेरिका द्वारा दलाली किए गए ऐतिहासिक राजनयिक शांति और सामान्यीकरण समझौतों की एक श्रृंखला है जो इज़राइल और मुस्लिम-बहुल देशों के बीच प्रत्यक्ष द्विपक्षीय संबंधों को औपचारिक रूप देकर पश्चिम एशियाई भू-राजनीति को बदलने के लिए डिज़ाइन की गई है।

इन समझौतों का नाम बाइबिल के पितृपुरुष **अब्राहम** के नाम पर रखा गया है — जो यहूदी और इस्लाम दोनों धर्मों में एक समान पूर्वज माने जाते हैं। यह नामकरण ही इस ढांचे के मूल दर्शन को व्यक्त करता है — कि दो परंपराओं की साझी जड़ें शांति का आधार बन सकती हैं।

हस्ताक्षरकर्ताओं की सूची

- **दलाल एवं सूत्रधार:** संयुक्त राज्य अमेरिका।
- **केंद्रीय राज्य:** इज़राइल।
- **प्रारंभिक 2020 के हस्ताक्षरकर्ता:** संयुक्त अरब अमीरात (UAE), बहरीन और मोरक्को।
- **बाद में शामिल हुए:** कोसोवो, सूडान, सोमालीलैंड और कजाखस्तान।
- **2026 के लक्षित नए सदस्य:** सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र और जॉर्डन।

Abraham Accords के तीन रणनीतिक उद्देश्य

- **क्षेत्रीय स्थिरता और नियंत्रण:** ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव और परमाणु पहलों का मुकाबला करने के लिए एक एकीकृत, अमेरिका-समर्थित रक्षात्मक और खुफिया गठबंधन का निर्माण।
- **आर्थिक और तकनीकी एकीकरण:** अरब बी डॉलर व्यापार, सुरक्षा सहयोग, रक्षा निर्यात और प्रत्यक्ष वाणिज्यिक साझेदारी के नए रास्ते खोलना।
- **ऐतिहासिक अड़चनों को दरकिनार करना:** फिलिस्तीनी राज्य के अनसुलझे मुद्दे को द्विपक्षीय आर्थिक प्रगति से अलग करके अरब जगत में इज़राइल की मान्यता का दायरा बढ़ाना।

प्रमुख संरचनात्मक विशेषताएं

- **पूरी तरह सामान्यीकृत द्विपक्षीय संबंध:** इज़राइल और भाग लेने वाले देशों के बीच दूतावास खोलना, राजदूतों का आदान-प्रदान और सीधी व्यावसायिक उड़ानें स्थापित करना अनिवार्य है।

- **रक्षा और खुफिया अंतर-संचालनीयता:** गहरे सैन्य सहयोग, early-warning radar data साझाकरण और अरब भागीदार देशों को उच्च-मूल्य इज़राइली रक्षा तकनीक निर्यात को सक्षम बनाता है।
- **अमेरिकी राजनयिक प्रोत्साहन:** नए हस्ताक्षरकर्ताओं के लिए वाशिंगटन से रणनीतिक प्रोत्साहन — जैसे उन्नत हथियारों की बिक्री या विशेष संप्रभु मान्यताएं — पिछले प्रोत्साहनों की तर्ज पर।
- **आर्थिक सहयोग ढांचा:** स्वच्छ ऊर्जा, कृषि-खाद्य, पर्यटन और डिजिटल सुरक्षा बुनियादी ढांचे में साझा निवेश को बढ़ावा देकर परस्पर जुड़े क्षेत्रीय वित्तीय हितों का निर्माण।

भारत के लिए महत्व

Abraham Accords का विस्तार भारत की विदेश नीति के लिए कई निहितार्थ रखता है। पश्चिम एशिया में भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक हित हैं — 90 लाख से अधिक भारतीय प्रवासी खाड़ी देशों में हैं और तेल आयात का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। यदि सऊदी अरब और पाकिस्तान जैसे देश Accords पर हस्ताक्षर करते हैं तो इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बड़ा बदलाव आएगा जिसका भारत की 'neighbourhood first' और 'act west' नीति पर सीधा प्रभाव पड़ेगा।

स्रोत: The Hindu

Question based on the Topic

Mains question	Prelims Question
प्रश्न: Abraham Accords पश्चिम एशिया की पारंपरिक भू-राजनीतिक संरचना को किस प्रकार बदल रहे हैं? इन समझौतों के रणनीतिक उद्देश्यों का विश्लेषण करते हुए भारत की विदेश नीति पर इनके संभावित प्रभावों का परीक्षण कीजिए। ***(250 शब्द / 15 अंक)***	**Q1. Abraham Accords के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:** 1. Abraham Accords का नाम बाइबिल के पितृपुरुष अब्राहम के नाम पर रखा गया है जो यहूदी और इस्लाम दोनों धर्मों में एक समान पूर्वज माने जाते हैं। 2. 2020 में इन Accords के प्रारंभिक हस्ताक्षरकर्ता UAE, बहरीन और जॉर्डन थे। 3. कोसोवो, सूडान, सोमालीलैंड और कजाखस्तान बाद में इस ढांचे में शामिल हुए। 4. Abraham Accords का एक प्रमुख उद्देश्य फिलिस्तीनी राज्य के मुद्दे को द्विपक्षीय आर्थिक प्रगति से अलग करके इज़राइल की मान्यता का विस्तार करना है। **उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?** (a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार **उत्तर: (c) केवल तीन** **व्याख्या:** कथन 1 सही है — Abraham नाम का आधार यही है। कथन 2 गलत है — 2020 के प्रारंभिक हस्ताक्षरकर्ता UAE, बहरीन और मोरक्को थे। जॉर्डन 2026 के लक्षित नए सदस्यों में है — यह classic twisted option है। कथन 3 सही है — ये चारों बाद में शामिल हुए। कथन 4 सही है — यह Accords की मूल रणनीतिक संरचना है।

2. Canada-India Trade and Investment Forum: भारत-कनाडा संबंधों में नई शुरुआत — CEPA की दिशा में ऐतिहासिक कदम

वाणिज्य मंत्री की तीन दिवसीय कनाडा यात्रा के बाद दोनों देशों ने किया उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय व्यापार मंच का शुभारंभ

30 मई, 2026 | अंतर्राष्ट्रीय संबंध

भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की तीन दिवसीय आधिकारिक कनाडा यात्रा के बाद दोनों देशों ने एक संयुक्त वक्तव्य जारी करते हुए **Canada-India Trade and Investment Forum** के शुभारंभ की घोषणा की। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब हाल के वर्षों में राजनयिक तनावों के कारण दोनों देशों के संबंध कठिन दौर से गुजर रहे थे। इस नए मंच की स्थापना उस तनाव से आगे बढ़कर आर्थिक कूटनीति को प्राथमिकता देने का स्पष्ट संकेत है।

यह Forum क्या है?

- Canada-India Trade and Investment Forum एक उच्च-स्तरीय, द्विपक्षीय संस्थागत मंच है जिसे दोनों देशों के बीच कॉर्पोरेट और आर्थिक कूटनीति के प्राथमिक माध्यम के रूप में स्थापित किया गया है।
- **सदस्य देश:** भारत और कनाडा।
- **उद्देश्य:** पूरक क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग को गहरा करना, बाज़ार तक पहुंच का विस्तार करना और resilient supply chains सुनिश्चित करना।

Forum की प्रमुख विशेषताएं

- **लक्षित क्षेत्रीय सहयोग:** यह Forum उच्च-विकास और पूरक औद्योगिक क्षेत्रों को प्राथमिकता देता है जिनमें स्वच्छ ऊर्जा, critical minerals, कृषि-खाद्य, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकियां और कौशल विकास शामिल हैं।
- **CEPA वार्ता को गति:** यह Forum एक Comprehensive Economic Partnership Agreement (CEPA) के लिए वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए रणनीतिक steering mechanism के रूप में कार्य करता है — और इसके लिए **2026 के अंत तक** की कड़ी साझा समयसीमा निर्धारित की गई है।
- **अभूतपूर्व राजनयिक पैमाना:** किसी एक देश को भेजा गया अब तक का सबसे बड़ा भारतीय व्यापार और मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस Forum के साथ गया — जो कनाडाई बाज़ार एकीकरण पर ऐतिहासिक ध्यान का संकेत है।
- **बहु-स्तरीय संपर्क सुधार:** सीमा पार परिचालन ढांचे में सुधार पर सीधा ध्यान — जिसमें व्यापार गतिशीलता, प्रत्यक्ष वाणिज्यिक व्यापार संपर्क और जन-से-जन संबंधों की मजबूती शामिल है।
- **Trade Mission एकीकरण:** कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के नेतृत्व में इस वर्ष बाद में भारत आने वाले **Team Canada Trade Mission** के साथ इस Forum का परिचालन एकीकृत किया जाएगा।
- **दीर्घकालिक पूंजी जुटाना:** प्राथमिकता क्षेत्रों में स्थिर, उच्च-गुणवत्ता वाले संस्थागत निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मानकीकृत दिशानिर्देश और innovators तथा sovereign wealth channels के बीच निरंतर संवाद सुनिश्चित करना।

इस Forum का महत्व

- **Critical Minerals और Clean Energy:** दोनों देश वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने और resilient supply chains बनाने की दिशा में साझा रणनीतिक हित रखते हैं। कनाडा critical minerals का एक प्रमुख भंडार है और भारत को इन खनिजों की बड़ी आवश्यकता है — semiconductor, EV batteries और clean energy transition के लिए।
- **आर्थिक सहयोग का संस्थागतकरण:** यह Forum आर्थिक सहयोग को संस्थागत रूप देता है जिससे राजनयिक चुनौतियों के बावजूद व्यापार, निवेश और रणनीतिक साझेदारी का विकास जारी रहे।

- **भारतीय diaspora का महत्व:** कनाडा में लगभग **18 लाख भारतीय मूल के लोग** रहते हैं जो दोनों देशों के बीच जन-से-जन संबंधों और व्यापार की एक मज़बूत नींव प्रदान करते हैं।

भारत-कनाडा संबंधों का संदर्भ

2023 में राजनयिक तनाव के बाद भारत-कनाडा संबंधों में महत्वपूर्ण गिरावट आई थी। इस पृष्ठभूमि में इस Forum की स्थापना और वाणिज्य मंत्री की कनाडा यात्रा दोनों देशों द्वारा आर्थिक कूटनीति को राजनीतिक मतभेदों से अलग रखने की इच्छाशक्ति को दर्शाती है। CEPA की 2026 समयसीमा इस नई गति को और अधिक ठोस बनाती है।

स्रोत: New Indian Express | DD India

Question based on the Topic	
Mains question	**Prelims Question**
प्रश्न: Canada-India Trade and Investment Forum की स्थापना के संदर्भ में भारत-कनाडा संबंधों में हाल के तनाव के बावजूद आर्थिक कूटनीति को प्राथमिकता देने की रणनीति का विश्लेषण कीजिए। CEPA से भारत को क्या लाभ हो सकते हैं? ***(250 शब्द / 15 अंक)***	**Q2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:** 1. Canada-India Trade and Investment Forum दोनों देशों के बीच कॉर्पोरेट और आर्थिक कूटनीति का प्राथमिक माध्यम है। 2. इस Forum का लक्ष्य 2027 के अंत तक CEPA वार्ता पूर्ण करना है। 3. यह Forum स्वच्छ ऊर्जा, critical minerals, कृषि-खाद्य और डिजिटल प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को प्राथमिकता देता है। 4. कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के नेतृत्व में Team Canada Trade Mission इस वर्ष भारत आएगा। **उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?** (a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार **उत्तर: (c) केवल तीन** व्याख्या: कथन 1 सही है — यही Forum का मूल स्वरूप है। कथन 2 गलत है — CEPA की समयसीमा 2026 के अंत तक है, 2027 नहीं — यह एक वर्ष का classic number twist है। कथन 3 सही है — ये सभी priority sectors हैं। कथन 4 सही है — मनिंदर सिद्धू के नेतृत्व में Mission भारत आएगा।

3. NeSDA 2025 Portal: डिजिटल शासन की जवाबदेही का नया मंच — DARPG ने किया आधिकारिक शुभारंभ

नागरिक की नजर से e-Governance की गुणवत्ता मापने वाला द्विवार्षिक मूल्यांकन ढांचा — 59 अनिवार्य सेवाओं का होगा कड़ा आकलन

30 मई, 2026 | सरकारी योजना | DARPG

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG) ने **National e-Governance Service Delivery Assessment (NeSDA) 2025 Portal** का आधिकारिक शुभारंभ किया है। यह पोर्टल भारत में डिजिटल शासन की गुणवत्ता को नागरिक के दृष्टिकोण से मापने वाले द्विवार्षिक मूल्यांकन ढांचे का तकनीकी आधार है।

NeSDA क्या है?

- National e-Governance Service Delivery Assessment एक विशेष, **द्विवार्षिक मूल्यांकन ढांचा** है जो नागरिक के दृष्टिकोण से डिजिटल शासन का मूल्यांकन करता है। यह संयुक्त राष्ट्र के e-Government Survey के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त **Online Service Index (OSI)** पर आधारित है और भारतीय संघीय ढांचे के अनुरूप अनुकूलित किया गया है।
- **नोडल संगठन:** प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG), कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार।
- **उद्देश्य:** NeSDA 2025 का परम लक्ष्य Government-to-Citizen (G2C) और Government-to-Business (G2B) डिजिटल सेवाओं की परिपक्वता, उपलब्धता और वितरण सफलता को व्यापक रूप से मापना है।

NeSDA 2025 की प्रमुख विशेषताएं

- **दोहरी पोर्टल श्रेणीकरण:** सभी सरकारी वेब touchpoints को दो कार्यात्मक धाराओं में विभाजित और मूल्यांकन किया जाता है — पहली, राज्य, केंद्र शासित प्रदेश, शहर और केंद्रीय मंत्रालय Portals जो सामान्य सूचना प्रदान करते हैं; और दूसरी, वे Service Portals जो सक्रिय लेनदेन संभालते हैं।
- **विस्तारित क्षेत्रीय कवरेज:** वित्त, श्रम एवं रोजगार, शिक्षा, स्थानीय शासन, सामाजिक कल्याण, पर्यावरण, पर्यटन, लोक शिकायत और परिवहन जैसे प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र शामिल हैं। 2025 के ढांचे में **कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय** की सेवाओं को भी स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है।
- **विस्तारित अनिवार्य सेवा सीमाएं:** प्रत्येक भारतीय राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के लिए **59 अनिवार्य ऑनलाइन सेवाओं** का कड़ा मूल्यांकन प्रस्तावित है, साथ ही केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में **43 सेवाओं** का आकलन।
- **बहु-आयामी मूल्यांकन मापदंड:** परिपक्वता को निम्नलिखित गुणात्मक मापदंडों पर आंका जाता है — पहुंच, सामग्री उपलब्धता और उपयोग में सरलता, सूचना सुरक्षा और गोपनीयता, अंतिम सेवा वितरण, स्थिति एवं अनुरोध ट्रैकिंग, एकीकृत सेवा वितरण, Open Government Data (OGD) और e-Participation।
- **डिजिटल डेटा संग्रह उपकरण:** नया पोर्टल एक स्वचालित repository के रूप में कार्य करता है जो नामित केंद्रीय और राज्य nodal officers द्वारा सीधे जमा किए गए workflow-tracked self-assessments और data points एकत्र करता है।
- **समीक्षा और क्षमता समर्थन:** DARPG stakeholder consultations, interactive capacity-building workshops और real-time portal walkthrough demonstrations का प्रबंधन करेगा ताकि सभी प्रशासनिक स्तरों पर सुचारू डेटा प्रवाह और सटीक रिपोर्टिंग सुनिश्चित हो सके।

महत्व

- NeSDA 2025 Portal भारत के डिजिटल शासन पारिस्थितिकी तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की 59 अनिवार्य सेवाओं का एक मानकीकृत ढांचे पर मूल्यांकन होगा तो इससे तीन बड़े लाभ होंगे —
- पहला, नागरिकों को पता चलेगा कि उनके राज्य की डिजिटल सेवाएं कितनी प्रभावी हैं। दूसरा, राज्यों के बीच healthy competition से e-Governance की गुणवत्ता में सुधार होगा। तीसरा, UN के OSI से जुड़ाव भारत की वैश्विक e-Government ranking को बेहतर बनाने में सहायक होगा।
- यह पोर्टल Digital India के उस मूल दर्शन को साकार करने का प्रयास है जहां सरकारी सेवाएं नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और आसानी से सुलभ हों।

स्रोत: ANI | DARPG

Question based on the Topic

Mains question	Prelims Question
प्रश्न: National e-Governance Service Delivery Assessment (NeSDA) ढांचे की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताइए कि यह भारत में डिजिटल शासन की जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को किस प्रकार सुनिश्चित करता है? ***(250 शब्द / 15 अंक)***	**3. NeSDA 2025 के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:** **विशेषता** — **विवरण** 1. नोडल संगठन — DARPG, कार्मिक मंत्रालय 2. मूल्यांकन चक्र — वार्षिक 3. राज्यों हेतु अनिवार्य सेवाएं — 59 4. अंतर्राष्ट्रीय आधार — UN e-Government Survey का OSI 5. 2025 में नया जोड़ा गया मंत्रालय — कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय **उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?** (a) केवल दो (b) केवल तीन (c) केवल चार (d) सभी पाँच **उत्तर: (c) केवल चार** व्याख्या: युग्म 1 सही है — DARPG नोडल संगठन है। युग्म 2 गलत है — NeSDA एक द्विवार्षिक (biennial) ढांचा है, वार्षिक नहीं — frequency twist सबसे आम UPSC trap है। युग्म 3 सही है — 59 अनिवार्य सेवाएं। युग्म 4 सही है — UN OSI पर आधारित। युग्म 5 सही है — 2025 में कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय जोड़ा गया।

4. Chandrayaan-2 DFSAR: चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मिले भूमिगत जल-बर्फ के साक्ष्य — भारत की बड़ी खोज

PRL अहमदाबाद के वैज्ञानिकों ने Chandrayaan-2 के DFSAR से की ऐतिहासिक खोज — Faustini क्रेटर में मिले ठोस प्रमाण

30 मई, 2026 | विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | ISRO

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि में, अहमदाबाद के Physical Research Laboratory (PRL) के वैज्ञानिकों ने Chandrayaan-2 के **Dual Frequency Synthetic Aperture Radar (DFSAR)** से प्राप्त अवलोकनों का उपयोग करके चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में भूमिगत जल-बर्फ के साक्ष्य खोजे हैं। यह खोज चंद्रमा पर भविष्य के मानव मिशनों और दीर्घकालिक उपस्थिति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

DFSAR क्या है?

Dual Frequency Synthetic Aperture Radar (DFSAR) Chandrayaan-2 lunar orbiter पर सक्रिय एक अत्याधुनिक microwave imaging instrument है। यह चंद्र सतह का अध्ययन करने के लिए अब तक तैनात किया गया **पहला पूर्णतः polarimetric Synthetic Aperture Radar (SAR)** है — जो इसे तकनीकी रूप से अद्वितीय बनाता है।

उद्देश्य: DFSAR का प्राथमिक उद्देश्य चंद्र स्थलाकृति, सतह की खुरदरापन और भूमिगत सामग्री संरचना का मानचित्रण और जांच करना है। विशेष रूप से यह ध्रुवों पर **Permanently Shadowed Regions (PSRs)** और **doubly shadowed craters** की खोज करता है ताकि जल-बर्फ जैसी volatiles की पहचान, मात्रा निर्धारण और मानचित्रण किया जा सके — जो चंद्रमा पर दीर्घकालिक मानव अस्तित्व और ईंधन उत्पादन के लिए अनिवार्य हैं।

यह काम कैसे करता है?

DFSAR प्रकाश पर निर्भर optical cameras के विपरीत, अपने स्वयं के microwave signals उत्सर्जित करके और वापस आने वाली echoes को सुनकर चंद्रमा का मानचित्रण करता है —

- **सिग्नल प्रवेश:** Radar **L-band और S-band** microwave radio frequencies प्रसारित करता है। ये लंबी तरंगदैर्ध्य सतह की धूल की ऊपरी परत से सीधे गुजरकर छिपी हुई भूमिगत सामग्री के साथ अंतःक्रिया करती हैं।
- **आयतनिक परावर्तन:** जब तरंगें भूमिगत बर्फ से टकराती हैं तो वे आंतरिक रूप से उछलती हैं — इसे **volumetric scattering** कहते हैं। यह orbiter पर वापस परावर्तित होने से पहले तरंग गुणों को बदल देता है।
- **Polarimetric Profiling:** instrument वापस आई echo के दो महत्वपूर्ण गुण मापता है — **Circular Polarization Ratio (CPR)** और **Degree of Polarization (DOP)**। DOP मापता है कि परावर्तित सिग्नल का कितना हिस्सा टकराने के बाद अपनी मूल polarization अवस्था बनाए रखता है।
- **Signature Separation:** चट्टानी भू-भाग signals को बिखेरकर आसानी से बर्फ की नकल कर सकते हैं। DFSAR वास्तविक जल-बर्फ को उन क्षेत्रों के लिए filtering करके अलग करता है जहां **उच्च CPR (CPR > 1)** एक **अत्यंत कम DOP (DOP < 0.13)** से मेल खाता है — जो भूमिगत volatiles के मानचित्रण के लिए अत्यधिक परिष्कृत blueprint प्रदान करता है।

DFSAR की प्रमुख विशेषताएं

- **Dual-Frequency बहुमुखिता:** L-band और S-band दोनों frequencies पर कार्य करता है जिससे भूमिगत penetration की अलग-अलग गहराई और उच्च-रिज़ॉल्यूशन imaging क्षमता मिलती है।
- **पूर्ण Polarimetric Matrix:** एक साथ complete polarimetric radar returns एकत्र करता है जिससे वैज्ञानिकों को भूमिगत लक्ष्यों की भौतिक ज्यामिति और अभिविन्यास स्पष्ट रूप से दिखता है।
- **Non-Line-of-Sight Imaging:** पूरी तरह सौर प्रकाश से स्वतंत्र — अरबों वर्षों से अंधेरे में जमे हुए dark craters के अंदर देखने में सक्षम।
- **उच्च-कंट्रास्ट Resolution Mapping:** बारीक चंद्र मिट्टी (regolith), नुकीले पत्थरों और embedded ice blocks के बीच सूक्ष्म अंतर को अलग करने के लिए विस्तृत, उच्च-कंट्रास्ट radar maps तैयार करने में सक्षम।

हाल की खोजें

- **भूमिगत ध्रुवीय बर्फ की पुष्टि:** चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में **चार अलग doubly shadowed craters** के तल के नीचे भूमिगत जल-बर्फ की संभावित उपस्थिति सफलतापूर्वक पुष्टि की गई।
- **Faustini Crater की खोज:** बड़े Faustini crater matrix **(87.39°S, 82.31°E)** के भीतर स्थित **1.1 km व्यास** के एक छोटे doubly shadowed crater (F2) के अंदर भूमिगत बर्फ के ठोस, concrete साक्ष्य पहचाने गए।
- **Lobate-Rim आकृति विज्ञान की पुष्टि:** 1.1 km crater के चारों ओर एक विशिष्ट, flow-like lobate-rim morphology खोजी गई। यह संरचनात्मक विशेषता सुझाव देती है कि मूल meteor impact ने ठोस भूमिगत बर्फ की एक परत को तोड़ा — impact के दौरान rim को पिघलाकर और स्थानांतरित करके एक अनोखा lobed pattern बनाया।
- **अत्यधिक ठंड में संरक्षण का प्रमाण:** इन बर्फ signatures को crater के उन आंतरिक क्षेत्रों में mapped किया गया जहां तापमान **लगभग 25K (~-248°C)** पर स्थिर रहता है — यह साबित करता है कि ये doubly shadowed zones लंबे भूवैज्ञानिक कालखंडों में volatile resources को संरक्षित करने के लिए आदर्श deep-freezer का काम करते हैं।

महत्व

यह खोज कई कारणों से ऐतिहासिक है। पहला, चंद्रमा पर जल-बर्फ की उपस्थिति का अर्थ है कि भविष्य के astronauts को पृथ्वी से पानी नहीं ले जाना होगा — इसे चंद्रमा की सतह से ही निकाला जा सकता है। दूसरा, जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करके

अंतरिक्ष यान का ईंधन बनाया जा सकता है। तीसरा, भारत के Chandrayaan-2 की यह खोज NASA के Artemis mission और अन्य lunar missions के लिए लैंडिंग site चयन में निर्णायक भूमिका निभाएगी। और सबसे महत्वपूर्ण — यह PRL और ISRO की वैज्ञानिक उत्कृष्टता का एक और प्रमाण है।

स्रोत: ISRO | Physical Research Laboratory (PRL), अहमदाबाद

Question based on the Topic	
Mains question	**Prelims Question**
प्रश्न: Chandrayaan-2 के DFSAR द्वारा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जल-बर्फ की खोज के वैज्ञानिक महत्व का परीक्षण कीजिए। यह खोज भविष्य के चंद्र मिशनों और अंतरिक्ष अन्वेषण की दिशा में किस प्रकार योगदान दे सकती है? ***(250 शब्द / 15 अंक)***	**Q4. Chandrayaan-2 के Dual Frequency Synthetic Aperture Radar (DFSAR) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:** 1. DFSAR चंद्र सतह का अध्ययन करने के लिए तैनात किया गया पहला पूर्णतः polarimetric SAR है। 2. DFSAR जल-बर्फ की पहचान के लिए उच्च CPR (CPR > 1) और उच्च DOP (DOP > 0.5) के संयोजन का उपयोग करता है। 3. Faustini crater के भीतर खोजा गया doubly shadowed crater F2 लगभग 1.1 km व्यास का है। 4. इन बर्फ signatures वाले crater क्षेत्रों में तापमान लगभग 25K (~-248°C) पर स्थिर रहता है। **उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?** (a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार ✅ **उत्तर: (c) केवल तीन** व्याख्या: कथन 1 सही है — DFSAR पहला पूर्णतः polarimetric SAR है। कथन 2 गलत है — DFSAR वास्तविक जल-बर्फ की पहचान के लिए उच्च CPR (CPR > 1) और अत्यंत कम DOP (DOP < 0.13) के संयोजन का उपयोग करता है। उच्च DOP नहीं — यह values का सबसे खतरनाक twist है। कथन 3 सही है — F2 crater 1.1 km व्यास का है। कथन 4 सही है — 25K (~-248°C) तापमान सही है।

5. Nirbhay Raho Initiative: ग्रामीण भारत में महिला सुरक्षा की नई क्रांति — पंचायतें बनेंगी सुरक्षा का किला

Nirbhaya Fund से वित्तपोषित — 32 लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधि होंगे प्रशिक्षित, CCTV से होगी ग्राम पंचायतों की निगरानी

30 मई, 2026 | सरकारी योजना | पंचायती राज मंत्रालय

पंचायती राज मंत्रालय ने नई दिल्ली में एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय **Training of Trainers (ToT)** कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया। यह कार्यक्रम महिला सुरक्षा के लिए कानूनी प्रावधानों पर केंद्रित था और मंत्रालय की नवलॉन्च **'Nirbhay Raho' Initiative** के तहत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह पहल ग्रामीण भारत में महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

Nirbhay Raho Initiative क्या है?

- 'Nirbhay Raho' Initiative एक राष्ट्रीय gender-responsive governance और grassroots capacity-building कार्यक्रम है। यह केंद्र सरकार के **non-lapsable Nirbhaya Fund** से वित्तपोषित और कार्यान्वित है — जो स्थानीय स्व-सरकारों को महिलाओं के लिए सक्रिय सुरक्षात्मक केंद्र में बदलता है।
- **नोडल मंत्रालय:** पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार।
- **उद्देश्य:** इस पहल का प्राथमिक लक्ष्य समावेशी, उत्तरदायी और महिला-अनुकूल Panchayats का निर्माण करके grassroots स्तर पर लैंगिक भेदभाव और हिंसा को समाप्त करना है। यह स्थानीय ग्रामीण नेताओं को गहरी कानूनी साक्षरता, survivor-centered focus और first-responder क्षमताओं से लैस करना चाहता है।

तीन स्तंभों पर खड़ा है Nirbhay Raho

1. **Nirbhay Netri — महिला नेतृत्व को सशक्त बनाना**
   यह घटक पूरी तरह **14.5 लाख Elected Women Representatives (EWRs)** के गहन प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और कानूनी जागरूकता पर केंद्रित है। इसका लक्ष्य है कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधि स्थानीय सुरक्षा चुनौतियों को आत्मविश्वास के साथ संभाल सकें और न्याय तक पहुंच सुनिश्चित कर सकें।
2. **Nirbhay Chetna — पुरुष प्रतिनिधियों को संवेदनशील बनाना**
   यह घटक देश भर के **17.5 लाख पुरुष निर्वाचित प्रतिनिधियों** को संवेदनशील बनाने, पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रहों को तोड़ने और पुरुष नेताओं को स्थानीय लैंगिक-समानता और सुरक्षा अभियानों में शामिल करने पर केंद्रित है। यह सोच पर आधारित बदलाव का प्रयास है — क्योंकि महिला सुरक्षा केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं हो सकती।
3. **Nirbhay Drishti — निगरानी बुनियादी ढांचा**
   यह घटक Gram Panchayats के भीतर रणनीतिक ग्रामीण स्थानों पर **CCTV सुरक्षा कैमरों** की स्थापना के लिए वित्तपोषण करके technology-enabled सुरक्षा बुनियादी ढांचे को बढ़ाता है।

प्रमुख विशेषताएं

- **विशाल राष्ट्रीय पदचिह्न: 32 लाख से अधिक** निर्वाचित Panchayat प्रतिनिधियों तक पहुंचने का लक्ष्य — इसे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़े ग्रामीण outreach कार्यक्रमों में से एक बनाता है।
- **व्यापक पाठ्यक्रम प्रशिक्षण:** घरेलू हिंसा, बाल विवाह, cyber safety, पीड़ित मुआवजा और स्थानीय referral reporting networks पर core कानूनी प्रशिक्षण का संयोजन।
- **Cascading Training Model:** एक गतिशील **Training of Trainers (ToT)** दृष्टिकोण — जहां master trainers practice-oriented simulations, moot courts और role-plays का उपयोग करके ज्ञान को राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर तक पहुंचाते हैं। यह model सुनिश्चित करता है कि एक बार प्रशिक्षित होने के बाद यह ज्ञान स्वयं फैलता रहे।

महत्व

Nirbhay Raho Initiative कई कारणों से विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

- पहला, यह **Nirbhaya Fund** का एक नया और व्यापक उपयोग है — जो पहले मुख्यतः शहरी सुरक्षा तंत्र पर केंद्रित था, अब ग्रामीण भारत तक पहुंच रहा है।
- दूसरा, **Nirbhay Chetna** घटक विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि यह 17.5 लाख पुरुष प्रतिनिधियों को gender sensitization में शामिल करता है — जो एक systemic cultural change का प्रयास है।

- तीसरा, **Panchayati Raj संस्थाओं** को महिला सुरक्षा के first-responders के रूप में स्थापित करना Constitutional mandate के अनुरूप है — जहां 73वें संविधान संशोधन के तहत Panchayats को सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।
- चौथा, CCTV निगरानी के साथ कानूनी प्रशिक्षण का संयोजन — hardware और software दोनों स्तरों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक समग्र दृष्टिकोण है।

स्रोत: PIB / पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार

Question based on the Topic

Mains question	Prelims Question
प्रश्न: 'Nirbhay Raho' Initiative की त्रि-स्तरीय संरचना का विश्लेषण करते हुए बताइए कि यह ग्रामीण भारत में महिला सुरक्षा की संरचनात्मक चुनौतियों को किस प्रकार संबोधित करती है। क्या Panchayati Raj संस्थाएं इस जिम्मेदारी के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम हैं? ***(250 शब्द / 15 अंक)***	**Q5. Nirbhay Raho Initiative के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:** 1. यह Initiative केंद्र सरकार के non-lapsable Nirbhaya Fund से वित्तपोषित है। 2. Nirbhay Netri घटक 17.5 लाख Elected Women Representatives (EWRs) के प्रशिक्षण पर केंद्रित है। 3. Nirbhay Drishti घटक Gram Panchayats में CCTV कैमरों की स्थापना के लिए वित्तपोषण करता है। 4. इस Initiative का नोडल मंत्रालय पंचायती राज मंत्रालय है। **उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?** (a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार **उत्तर: (c) केवल तीन** व्याख्या: कथन 1 सही है — Nirbhaya Fund से वित्तपोषित। कथन 2 गलत है — Nirbhay Netri 14.5 लाख Elected Women Representatives (EWRs) के प्रशिक्षण पर केंद्रित है। 17.5 लाख आंकड़ा Nirbhay Chetna (पुरुष प्रतिनिधियों) का है — यह संख्याओं की अदला-बदली का सबसे प्रचलित UPSC trap है। कथन 3 सही है — Nirbhay Drishti CCTV स्थापना के लिए है। कथन 4 सही है — पंचायती राज मंत्रालय नोडल मंत्रालय है।

DAILY CURRENT AFFAIRS ANALYSIS 30 MAY 2026

For Demo Classes, click on the image above.

FOR PDF DOWNLOAD GS WORLD LEARNING APP